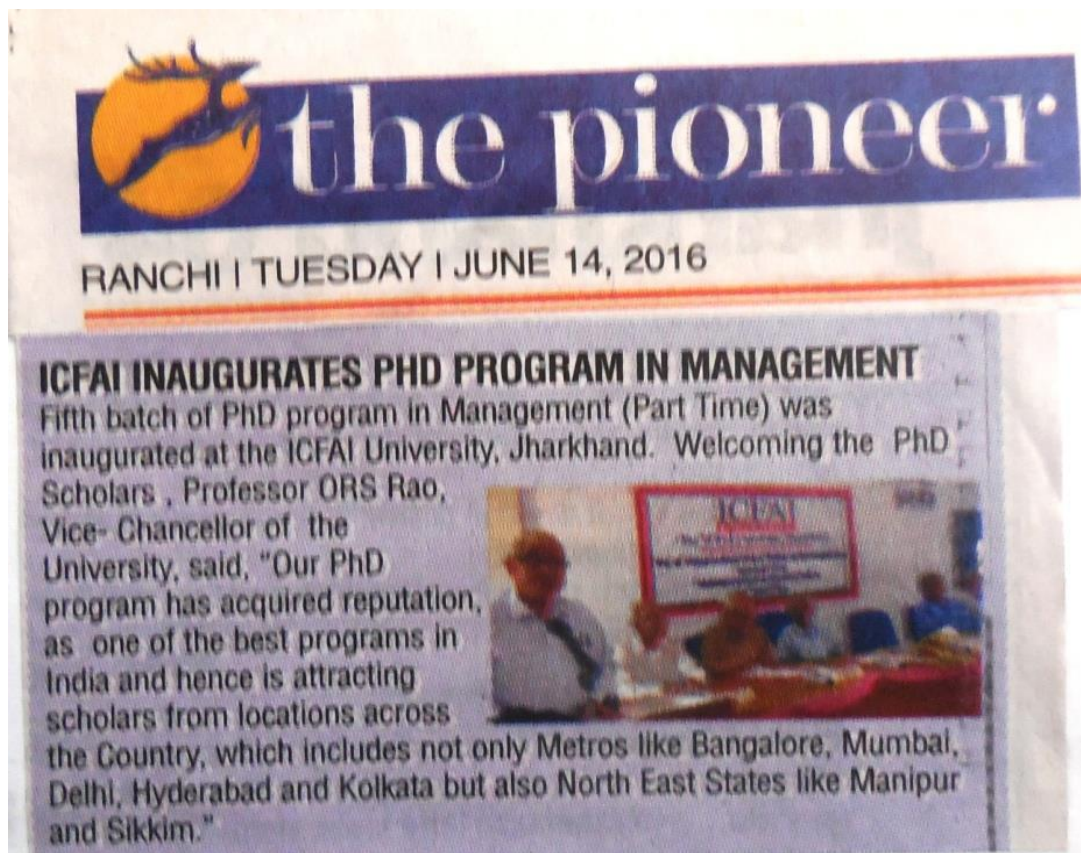


**5th Batch of PhD program inaugurated at ICFAI UNIVERSITY
June 13,2016**



शोध में सूक्ष्म विश्लेषण से ही मिलेगी सफलता : डॉ. खान



इक्फाई विवि में पांचवें बैच के कोर्स वर्क शुरू होने के मौके पर बोलते डॉ. खान।

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

आरयू के पूर्व वीसी डॉ. एए खान ने कहा कि क्वालिटी के बिना रिसर्च बेकार है। रिसर्च स्कॉलर मन की शक्ति से तथ्यों का सूक्ष्म विश्लेषण करेंगे, तो नतीजा बेहतर होगा। वे सोमवार को इक्फाई विवि में पीएचडी के पांचवें बैच के कोर्स वर्क शुरू होने के मौके पर वर्कशॉप में बोल रहे थे।

शैक्षणिक सलाहकार डॉ. हरिहरण ने कहा कि शोधार्थियों के लिए यह कार्यक्रम काफी उपयोगी साबित होगा। रजिस्ट्रार डॉ. बीएम सिंह ने कहा कि रिसर्च स्कॉलरों में 20 प्रतिशत शिक्षा जगत से हैं। शेष 80 प्रतिशत सेल,

भारतीय रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक, आईआईएम अहमदाबाद, आईबीएस, डीआरडीओ व अन्य संस्थानों के हैं।

इक्फाई विवि के वीसी प्रो. ओएस राव ने कहा कि यहां के स्टूडेंट्स रिसर्च के क्षेत्र में अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां आ रहे हैं। इसमें दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता समेत अन्य राज्यों के अभ्यर्थी हैं। उन्होंने कहा कि यहां कामकाजी लोग आसानी से पीएचडी प्रोग्राम कर सकते हैं। अध्यक्षता एसोसिएट डीन प्रो. एस प्रसाद ने किया। इस अवसर पर अरविंद कुमार, डॉ. एससी स्वेन समेत अन्य मौजूद थे।

ईक्फाई विवि में पीएचडी का नया बैच शुरू



संवाददाता

रांची : ईक्फाई विवि, रांची में सोमवार को पीएचडी का नया बैच (5वां) शुरू हुआ। नये शोधार्थियों का स्वागत करते हुए विवि के कुलपति प्रो. ओ आर एस राव ने कहा कि विवि पीएचडी कार्यक्रम ने देशभर में काफी प्रसिद्धि हासिल कर ली है। विवि में शोध के लिए दिल्ली, बंगलुरु, मुंबई, कोलकाता सहित पूर्वोत्तर राज्यों में भी विद्यार्थी पहुंच रहे हैं। विवि में यह सुविधा

उपलब्ध है कि कोई भी शोधार्थी अपना अन्य कोई नौकरी करते हुए भी अपना पीएचडी जारी रख सकता है। इस कार्यक्रम में रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ. ए ए खान, पूर्व कुलपति डॉ. केके नाग, ईक्फाई विवि के रजिस्ट्रार डॉ. बीएम सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर एसोसिएट डीन प्रो. एस प्रसाद, मदन प्रसाद, अरविंद कुमार, डॉ. एस सी समेत कई अन्य मौजूद थे।

इक्फाइ विवि में पीएचडी की बैच शुरू



रांची. इक्फाइ विवि में प्रबंधन में पीएचडी प्रोग्राम की पांचवीं बैच सोमवार से शुरू हुई. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने पीएचडी स्कॉलरों की स्वागत करते हुए कहा कि विवि के पीएचडी प्रोग्राम में देश के कई इलाकों से स्कॉलर नामांकन ले रहे हैं. विवि द्वारा अब तक 30 व्यक्तियों को पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया गया है. रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ ए ए खान ने कहा कि स्कॉलर अपने मन की शक्ति द्वारा शोध में आ रही चीजों का विश्लेषण

करें. विवि के शैक्षणिक सलाहकार डॉ हरि हरन ने कहा कि स्कॉलरों को यह कार्यक्रम उनकी सोच को व्यवस्थित करेगा. रजिस्ट्रार डॉ वीएम सिंह ने कहा कि इस वर्ष 20 प्रतिशत स्कॉलरों ने शिक्षा जगत से जबकि अन्य लोग सेल, भारतीय रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक, आइआइएम, आइबीएम, डॉ रेड्डीज आदि जगहों से जुड़े हुए हैं. इस अवसर पर डीन प्रो एस प्रसाद, मदन प्रसाद, अरविंद कुमार, डॉ एससी स्वेन आदि उपस्थित थे.